DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

12 January, 2024

भारत-UAE बिजनेस शिखर सम्मेलन

संदर्भ: *अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के एक अनुभाग के रूप में, हाल ही में भारत-यूएई बिजनेस शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया।*

➤ **उद्घाटन सत्र की मुख्य विशेषताएं:**

- इस सत्र की शुरुआत श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री (भारत), और डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ायौदी, विदेश व्यापार राज्य मंत्री (यूएई) के मुख्य भाषण के साथ हुई।
- इस दौरान श्री पीयूष गोयल, डॉ. थानी बिन अहमद अल जायोदी, और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र रजनीकांत पटेल द्वारा यूएई-भारत CEPA काउंसिल (UICC) की वेबसाइट का शुभारंभ किया गया।

➤ **स्टार्ट-अप पहल:**

- इस सम्मेलन मे CII इंडिया-यूएई स्टार्ट-अप पहल पर आधारित "अनलॉकिंग अवसर: भारत-यूएई स्टार्ट-अप इकोसिस्टम कन्वर्जेंस" नामक शीर्षक वाली एक रिपोर्ट लॉन्च की गई।
- CII नेशनल स्टार्टअप काउंसिल के अध्यक्ष और स्नैपडील तथा टाइटन कैपिटल के सह-संस्थापक श्री कुणाल बहल की टिप्पणियाँ भी इस सम्मेलन की मुख्य आकर्षण रहीं।

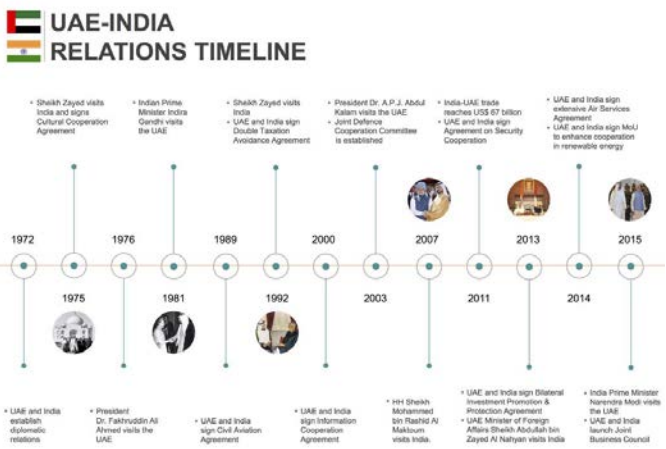

➤ **व्यापार और आर्थिक सहयोग:**

- विगत 1 मई, 2022 को भारत-यूएई सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) लागू होने के बाद से द्विपक्षीय व्यापार में 15% की वृद्धि हुई है।
- यूएई वर्ष 2022-23 के लिए भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य देश रहा है।
- सीईपीए का उद्देश्य टैरिफ को कम करना, व्यापार बाधाओं को दूर करना और निवेश तथा संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना है।

➤ **वित्तीय सहयोग:**

- इस सम्मेलन में सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं (INR-AED) के उपयोग को बढ़ावा देने वाला एक ढांचा स्थापित करने के लिए जुलाई 2023 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- द्विपक्षीय व्यापार को सुगम बनाने के लिए दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली का विकास किया जाएगा।

➤ **विशिष्ट पहल और परियोजनाएँ:**

- इस शिखर सम्मेलन में व्यापार वित्त, निवेश सुविधा और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा सत्र भी आयोजित किये गए।
- भारतीय निर्यातकों को समर्थन देने के लिए संयुक्त अरब अमीरात में प्रस्तावित भंडारण सुविधा सहित भारत मार्ट की भूमिका पर जोर दिया गया।
- इस बिजनेस शिखर सम्मेलन के माध्यम से डीपी वर्ल्ड के सीईओ और लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के चेयरमैन ने भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में निवेश बढ़ाने में भी अपनी रुचि व्यक्त की।

➤ **व्यापार के आंकड़े और लक्ष्य:**

- वर्ष 2022 में दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार 85 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। साथ ही इसके गैर-तेल व्यापार को वर्ष 2030 तक 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है।
- इस संदर्भ में सीईपीए ने अपने कार्यान्वयन के बाद पहले 12 महीनों में द्विपक्षीय गैर-तेल व्यापार में 5.8% की वृद्धि में योगदान दिया है।

➤ **पारस्परिक विकास और समृद्धि:**

- यूएई-भारत बिजनेस शिखर सम्मेलन को आपसी विकास और समृद्धि के लिए, द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जाता है।

मस्तिष्क की अवस्थाएँ और मस्तिष्क तरंगें

संदर्भ: *इन शब्दों का उल्लेख 'द हिंदू' समाचार पत्र में लगातार किया जा रहा है।*

➤ मानव की मानसिक अवस्था संबंधी खोज को, अल्फा, डेल्टा या थीटा जैसे शब्दों के माध्यम से वर्गीकृत किया गया है। जैसे कि विश्राम, आंतरिक चैत्यानता और नींद के लिए प्रयुक्त "थीटा" स्थिति को, विभिन्न तकनीकों द्वारा सुगम बनाया गया है।

➤ यद्यपि किसी की "मानसिक स्थिति" को बदलने हेतु किये गए सभी प्रयासों की प्रभावशीलता वर्तमान में अनिर्णायक है।

➤ **मस्तिष्क की अवस्था और तरंग मापने की तकनीक का विकास:**

- मस्तिष्क गतिविधि में व्यापक अंतर्दृष्टि के लिए विभिन्न माप दृष्टिकोणों की आवश्यकता होती है।
- चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (MRI) और इसके समकक्ष कार्यात्मक प्रकार्य ने मस्तिष्क संबंधी गतिविधि को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- इसके अतिरिक्त अन्य तरीकों में इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी (EEG) और चुंबकीय उद्दीपन के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रिया को मापना भी शामिल है।

➤ **मस्तिष्क की स्थिति और तंत्रिका गतिविधि:**

- विद्युत आवेगों और न्यूरोट्रांसमीटरों के जटिल अनुक्रमों से युक्त तंत्रिका गतिविधि, मानव व्यवहार और अनुभूति को मापने का आधार बनती है।
- यह माप विभिन्न स्तरों पर संपन्न होता है - एकल-कोशिका नेटवर्क, या संपूर्ण-मस्तिष्क गतिविधि पैटर्न जो विशिष्ट "मस्तिष्क अवस्थाओं" से जुड़े होते हैं।
- अध्ययन की गई सामान्य अवस्थाओं में मुख्य रूप से उत्तेजना, आराम और कार्य-प्रेरित मस्तिष्क अवस्थाओं को शामिल किया गया था।

➤ **मस्तिष्क अवस्थाओं के प्रकार:**

- उत्तेजना और आराम की अवस्थाएँ मस्तिष्क सतर्कता के विभिन्न स्तरों का प्रतिनिधित्व करती हैं। यह विभिन्न बाह्य कारकों सहित पर्यावरणीय गतिविधियों के प्रभाव के अधीन होती हैं।
- कार्य-प्रेरित मस्तिष्क अवस्थाएँ, जैसे कि सतर्क होना, संज्ञानात्मक माँगों से प्रेरित होती हैं और बढ़ी हुई कनेक्टिविटी प्रदर्शित करती हैं।

➤ **मस्तिष्क स्थिति विश्लेषण में चुनौतियाँ:**

- स्थानिक बनाम लौकिक मस्तिष्क गतिविधि के विश्लेषण में, ट्रेड ऑफ़ अवस्था के कारण कई सह-सम्बन्ध आधारित मस्तिष्क स्थितियों को सुलझाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

➤ **मस्तिष्क तरंग पैटर्न:**

- मस्तिष्क की अवस्था अक्सर विशिष्ट मस्तिष्क तरंग पैटर्न, जैसे अल्फा, बीटा, थीटा आदि के माध्यम से प्रकट होती हैं, जिन्हें EEG के माध्यम से मापा जाता है।
- प्रत्येक तरंग पैटर्न विशिष्ट मानसिक अवस्थाओं से जुड़ा होता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **मस्तिष्क की अवस्थाओं को नियंत्रित करना:**
  - मस्तिष्क की स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयासों में दवा के प्रयोग से लेकर पर्यावरणीय संकेत, मानसिक अवस्था, ध्यान और संवेदी प्रतिक्रिया जैसे स्पेक्ट्रम को शामिल किया जाता है।
  - न्यूरोफीडबैक थेरेपी, मस्तिष्क की स्थिति को को नियंत्रित करने वाली एक विधि है। यह मस्तिष्क तरंग गतिविधि के आधार पर अपनी प्रतिक्रिया देती है। एक अन्य थेरेपी MRI-जनित डेटा का उपयोग करके सकारात्मक भावनाओं से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों को विनियमित करने पर केंद्रित है।
- **चुनौतियाँ और विवाद:**
  - वर्तमान में अनिर्णायक नैदानिक अध्ययनों के साथ, न्यूरोफीडबैक थेरेपी की प्रभावशीलता विवादास्पद बनी हुई है।
  - मस्तिष्क की अवस्था को बदलने का दावा करने वाली बाइन्यूरल बीट्स जैसी तकनीकें मिश्रित साक्ष्य प्रस्तुत करती हैं।
  - न्यूरोफीडबैक जैसे उपचार आर्थिक रूप से बोझिल हो सकते हैं, और उनकी सफलता चिकित्सकीय संबंध पर निर्भर हो सकती है।

हालाँकि अब तक इन उपचारों में नुकसान का कोई निश्चित प्रमाण नहीं मिल पाया है, लेकिन उनकी प्रभावकारिता अनिश्चित बनी हुई है, जिससे संभावित रूप से सिद्ध लाभकारी उपचारों को लागू करने में देरी हो रही है। अतः मस्तिष्क की अवस्थाओं की खोज और उनका परिवर्तन अनुसंधानकर्ताओं के लिए निरंतर एक रोचक क्षेत्र बना हुआ है।

ग्रीन हाइड्रोजन: भारत में अपनाने हेतु सक्षम उपाय

***संदर्भ**: विश्व आर्थिक मंच और बेन एंड कंपनी की हरित हाइड्रोजन पर जारी हालिया रिपोर्ट इसके उत्पादन लागत को 2 डॉलर प्रति किलोग्राम से कम करने की आवश्यकता पर जोर देती है।*

- **ग्रे हाइड्रोजन के साथ लागत-समता:**
  - **उद्देश्य:** वर्ष 2030 तक वार्षिक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए लागत-समानता हासिल करना।
  - **वर्तमान उत्पादन लागत:** लगभग $4-5 प्रति किलोग्राम, जो कि ग्रे हाइड्रोजन से दोगुनी है।
  - **व्यय विवरण:** इस समय चौबीसों घंटे नवीकरणीय बिजली (RTC) उत्पादन के लिए 50-70% और इलेक्ट्रोलाइज़र लागत के लिए 30-50% व्यय किया जाता है।
- **इलेक्ट्रोलाइज़र लागत में कमी:**
  - **सिफ़ारिश:** सब्सिडी में उल्लेखनीय वृद्धि करके इलेक्ट्रोलाइज़र की लागत को तेजी से कम किया जा सकता है।
  - **वर्तमान सब्सिडी:** इस समय राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत $54/किलोवाट सब्सिडी दी जा रही है।
  - **प्रस्तावित कार्रवाई:** दी जाने वाली प्रत्यक्ष सब्सिडी को मौजूदा $0.50/किग्रा से अधिक किये जाने की योजना है, जिसे शुरुआती अपनाने वालों के लिए अपर्याप्त माना जाता है।
- **राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (2022):**
  - **उद्देश्य:** प्रभावित क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज करना, आयात पर निर्भरता कम करना और संचयी रूप से 50 मिलियन टन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
  - **कार्यप्रणाली:** नवीकरणीय स्रोतों से बिजली का उपयोग करके जल इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना।
- **चुनौतियाँ और सीमित पहुँच:**
  - **वर्तमान उद्योग की स्थिति:** जमीनी स्तर पर सीमित उपलब्धता के कारण, कई देश 'वेट एंड वाच' दृष्टिकोण अपना रहे हैं।
  - **प्रत्याशित उत्पादन:** वर्ष 2027 के आसपास और उसके बाद हरित हाइड्रोजन उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।
- **बुनियादी ढाँचा विकास और क्षमता योजना:**
  - **इलेक्ट्रोलाइज़र क्षमता योजनाएँ:** वर्ष 2030 तक 35-40 गीगावॉट की आधारभूत आवश्यकता से कम, 8 गीगावॉट इलेक्ट्रोलाइज़र क्षमता की कई योजनाओं के विकास पर काम किया जा रहा है।
  - **सिफ़ारिश:** निर्धारित क्षमता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वदेशी इलेक्ट्रोलाइज़र तकनीक का विकास और परीक्षण किया जाना चाहिए।
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसर:**
  - **अनियमित बाज़ार:** हरित हाइड्रोजन डेरिवेटिव (मेथनॉल, अमोनिया) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक अवसर प्रस्तुत करते हैं।
  - **भारत के लिए लाभ:** भारत कम लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा और कुशल कार्यबल पर पूंजी लगाकर एक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है।
- **भंडारण एवं परिवहन शमन:**
  - **रणनीति:** सहयोगात्मक रूप से उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्लस्टर विकसित किया जाना चाहिए।
  - **बुनियादी ढाँचा निवेश:** इस संदर्भ में पूरे देश में कुशल परिवहन के लिए एक सुगम पाइपलाइन नेटवर्क बनाना आवश्यक है।
- **मानक और उत्सर्जन निगरानी:**
  - **हालिया पहल:** भारत ने 12 महीने के औसत उत्पादन में प्रति किलोग्राम हाइड्रोजन से 2 किलोग्राम से कम CO_2 उत्सर्जन की अनुमति देने वाले मानक प्रस्तुत किये हैं।
  - **सिफ़ारिश:** इसके लिए "ग्रीन स्टील" और "ग्रीन सीमेंट" के सटीक वर्गीकरण के लिए उपयुक्त मानकों, उत्सर्जन सीमा और निगरानी पद्धतियों को परिभाषित किया जान चाहिए।
- **शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य:**
  - **उद्देश्य:** वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना।
  - **महत्वपूर्ण प्रयास:** इसे स्पष्ट रूप से परिभाषित कर, उत्सर्जन सीमा निर्धारित करना और कार्बन उत्सर्जन के लिए मजबूत निगरानी तंत्र विकसित करना।
- **भारत का हरित हाइड्रोजन संबंधी प्रमुख लक्ष्य और रणनीतियाँ:**
  - **लक्ष्य 1: हरित हाइड्रोजन उत्पादन लागत कम करना**
    - **प्रयोजन:** $2/किग्रा की लागत प्राप्त करना, इसे ग्रे हाइड्रोजन के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना।
    - **रणनीति**: नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाना, जल्दी अपनाने वालों के लिए प्रोत्साहन का लाभ उठाना और स्वदेशी इलेक्ट्रोलाइज़र तकनीक में निवेश करना।
  - **लक्ष्य 2: बुनियादी ढांचे संबंधित लागत को कम करना**
    - **प्रयोजन:** रूपांतरण, भंडारण और परिवहन से जुड़ी लागत को कम करना या समाप्त करना।
    - **रणनीति**: हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्लस्टर विकसित करना, पाइपलाइनों जैसे दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे में निवेश करना और सहयोगात्मक ऑफ-टेक वातावरण को बढ़ावा देना।
  - **लक्ष्य 3: हरित हाइड्रोजन को अपनाने में उद्योगों का समर्थन करना**
    - **प्रयोजन:**: उद्योगों, विशेष रूप से मौजूदा ग्रे हाइड्रोजन उपयोगकर्ताओं को हरित हाइड्रोजन में स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करना।
    - **रणनीति**: प्रत्यक्ष सब्सिडी बढ़ाएं, नीति स्पष्टता प्रदान करें, अनुसंधान एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करें, और हरित हाइड्रोजन उपयोग के लिए मानक स्थापित करें।
  - **लक्ष्य 4: हरित हाइड्रोजन डेरिवेटिव के लिए निर्यात क्षमता का लाभ उठाना**
    - **प्रयोजन:**: हरित हाइड्रोजन डेरिवेटिव हब बनने के लिए भारत की निर्यात क्षमता का लाभ उठाना।
    - **रणनीति**: विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों का विकास करना, बंदरगाहों पर निर्यात बुनियादी ढांचे में सुधार करना और संभावित आयातकों के साथ द्विपक्षीय समझौते स्थापित करना।

- **लक्ष्य 5: कार्बन-आधारित विकल्पों को कम करना**
  - **प्रयोजन:**: हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए कार्बन-सघन स्रोतों से सब्सिडी को समाप्त करना।
  - **रणनीति:** एक व्यापक कार्बन-टैक्स व्यवस्था लागू कर, जीवाश्म-ईंधन सब्सिडी को पुनर्निर्देशित करना और घरेलू ऊर्जा जरूरतों के लिए सामर्थ्य सुनिश्चित करना।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

कर्नाटक सरकार की 'युवा निधि' योजना

कर्नाटक सरकार ने शिवमोग्गा शहर में अपनी पांचवीं और अंतिम गारंटी योजना 'युवा निधि' का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया।

योजना का उद्देश्य:

- 2022-23 शैक्षणिक वर्ष में डिग्री/डिप्लोमा उत्तीर्ण करने वाले पात्र उम्मीदवारों को दो साल का बेरोजगारी भत्ता प्रदान करना।
- बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह ₹3,000 और डिप्लोमा धारकों को ₹1,500 प्रति माह का वित्तीय सहायता देना।
- कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उम्मीदवारों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- उम्मीदवार कौशल कनेक्ट पोर्टल पर पंजीकरण करके कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।
- वे उम्मीदवार जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में स्नातक/डिप्लोमा पूरा कर लिया है, वे इस योजना के लिए पात्र होंगे।

घेटोआइज़ेशन (Ghettoization)

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 30 (1) के तहत धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और संचालित करने का अधिकार दिया गया है , इसका उद्देश्य उन्हें अलग-थलग करना नहीं है।

घेटोआइज़ेशन (Ghettoization) क्या है ?

- घेटोआइज़ेशन शब्द ऐसे इलाके या बस्ती के लिए इस्तेमाल होता है जिसमें मुख्य रूप से एक ही समुदाय के लोग रहते हैं।
- घेटोआइज़ेशन एक जटिल सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें किसी समूह के सदस्यों को एक छोटे क्षेत्र में सीमित कर दिया जाता है और बाहरी समुदाय से अलग कर दिया जाता है। यह भौतिक या सामाजिक दोनों तरह से हो सकता है।
- यह विशिष्ट आवासीय क्षेत्रों में हाशिए पर या अलग-थलग सामाजिक समूहों की भौतिक नियुक्ति को भी संदर्भित करता है।
- घेटोआइज़ेशन विभिन्न कारकों के कारण हो सकता है, जिसमें सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हाशियकरण शामिल है।
- यह भय या शत्रुता के कारण भी हो सकता है, क्योंकि समुदाय अपने बीच रहकर अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं।
- घेटोआइज़ेशन शब्द वेनिस में गढ़ा गया था, जहां यहूदियों को अलग-थलग और प्रतिबंधित कर दिया गया था।
- भारत में घेटोआइज़ेशन का एक उदाहरण अहमदाबाद के बाहरी इलाका जुहापुरा है।
- 1969, 1985 और 1992 के दंगों के बाद इसमें वृद्धि हुई, लेकिन 2002 की हत्याओं के बाद यहाँ चार से पांच लाख लोगों की बस्ती बन गई।

आनुवंशिक रूप से संशोधित सरसों (GM सरसों)

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि क्या आनुवंशिक रूप से संशोधित सरसों के हाइब्रिड DMH-11 की पर्यावरणीय स्वीकृति देने से पहले आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) ने अदालत द्वारा नियुक्त तकनीकी विशेषज्ञ समिति (TEC) की रिपोर्टों पर विचार किया था।

जीएम सरसों के बारे में:

- जीएम सरसों एक आनुवंशिक रूप से संशोधित फसल है, जो हर्बिसाइड टॉलरेंट (एचटी) सरसों का एक प्रकार है।
- यह बीज उत्पादन और परीक्षण के लिए अनुमोदित दूसरी जीएम फसल है।
- DMH-11 (धारा सरसों हाइब्रिड) एक ट्रांसजेनिक सरसों है जो भारतीय सरसों किस्म "वरुणा" और पूर्वी यूरोपीय "अर्ली हीरा-2" की संकर प्रजाति है।
- फरवरी 2016 में, आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएमईसी) ने एक अन्य जीएम फसल सरसों DMH-11 के वाणिज्यिक उत्पादन की अनुमति दी थी।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जीएम सरसों विकसित की और इस परियोजना को आंशिक रूप से जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति:

- आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी) एक वैधानिक निकाय है जो आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों के वाणिज्यिक वितरण को मंजूरी देती है।
- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) के तहत स्थापित है।
- इसका गठन "खतरनाक सूक्ष्म जीवों/आनुवंशिक रूप से इंजीनियर किए गए जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, उपयोग/आयात/निर्यात और भंडारण के लिए नियम (नियम, 1989)" के तहत किया गया है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध से लड़ने में उद्यमशीलता की शक्ति

हाल ही में, रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से निपटने में उद्यमशीलता एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरी है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बारे में:

- रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) एक प्राकृतिक जैविक घटना है जो तब होती है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी समय के साथ बदलते हैं और दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं।
- इससे संक्रमण का इलाज करना कठिन हो जाता है और बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
- परिणामस्वरूप, दवाएँ अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमण शरीर में बना रहता है, जिससे दूसरों में फैलने का खतरा बढ़ जाता है।
- बैक्टीरियोफेज थेरेपी (जीवाणुभोजी चिकित्सा) एक वैकल्पिक विधि के रूप में उभरी है, जिसमें बैक्टीरिया को लक्षित करने और नष्ट करने के लिए वायरस का उपयोग किया जाता है।
- 2017 में, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एएमआर के लिए भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी) जारी की।

सुर्खियों में स्थल

दक्षिण अफ्रीका

हाल ही में, दक्षिण अफ्रीका ने इज़राइल पर फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार करने का आरोप लगाया और संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में इसके लिए आवाज उठायी।

दक्षिण अफ्रीका:

राजधानी: प्रिटोरिया (प्रशासनिक), ब्लोमफ़ोन्टेन (न्यायिक) और केप टाउन (विधायी)।

अवस्थिति: दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीकी महाद्वीप के दक्षिणी सिरे पर स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: दक्षिण अफ्रीका की सीमाएँ नामीबिया, बोत्सवाना, ज़िम्बाब्वे और मोज़ाम्बिक (उत्तर) और पूर्व में लेसोथो और ईस्वातिनी (पूर्व में स्वाज़ीलैंड) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताऐं:

- लेसोथो में एक पहाड़ी चोटी, थाबाना न्टलेन्याना दक्षिणी अफ्रीका का सबसे ऊंचा पर्वत और ड्रेकेंसबर्ग की सबसे ऊंची चोटी है।
- ऑरेंज नदी दक्षिण अफ्रीका की सबसे लंबी नदी है और अफ्रीका की दस सबसे बड़ी नदियों में से एक है।
- आईसिमंगलिसो वेटलैंड पार्क, जिसे पहले ग्रेटर सेंट लूसिया वेटलैंड पार्क के नाम से जाना जाता था, दक्षिण अफ्रीका में एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में किस शहर को उत्तर प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है? **- नोएडा**
- कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) कब अपनाया गया था? **- 17 मई, 2023**
- दल-बदल विरोधी कानून, जिसे संविधान की 10वीं अनुसूची भी कहा जाता है, कब जोड़ा गया? **- संविधान (52वां संशोधन) अधिनियम, 1985**
- आईसीडी 11 के तहत पूरक अध्याय के मॉड्यूल 2 में कौन सी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ शामिल हैं? **- आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी (एएसयू)**
- किन देशों की सीमा क्रमशः उत्तर और दक्षिण में इक्वाडोर से लगती है? **- कोलंबिया, पेरू**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com